871/861

दैनिक जागरण
पृष्ठ संख्या 4
17-04-2014

'दीर्घ अवधि पूर्वानुमान जारी करे मौसम विभाग'

- पुरानी सोच को बदलकर नए पूर्वानुमान पर करें भरोसा
- मौसम विभाग को किसानों से जुड़ने की जरूरत

जागरण संवाददाता, पश्चिमी दिल्ली : किसानों को मौसम विभाग के पूर्वानुमान पर अब भरोसा करने की जरूरत है। भले ही अतीत में मौसम विभाग के अधिकांश पूर्वानुमान गलत साबित हुए हों।

दरअसल, अतीत के कड़वे अनुभवों के कारण किसान आज भी मौसम संबंधी पूर्वानुमान पर भरोसा नहीं कर पा रहे हैं। यही वजह है कि असमय बारिश या खराब मौसम से उन्हें नुकसान उठाना पड़ रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि नई तकनीक आने के बाद अब ज्यादातर पूर्वानुमान सही साबित हो रहे हैं। हालांकि विशेषज्ञ इस पर जरूर जोर देते हैं कि मौसम विभाग दीर्घ अवधि पूर्वानुमान जारी करे, ताकि समय रहते किसान सचेत हो जाएं।

पूसा स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. जेपीएस डबास का कहना है कि किसानों को अब अपनी पुरानी सोच बदलने की जरूरत है। दो-तीन वर्षों से मौसम विभाग की लघु व मध्यम अवधि के लिए किए गए अधिकांश पूर्वानुमान सही हो रहे हैं। हालांकि दीर्घ अविध के पूर्वानुमान अभी भी उतने सटीक नहीं हो रहे हैं। किसानों का कहना है कि मौसम पूर्वानुमान पर यदि हम भरोसा भी करें तो हमारे सामने और भी कई मुश्किलें हैं। 'मान लीजिए पूर्वानुमान में कहा गया चार दिन बाद बारिश होने वाली है। फसल काट लें, लेकिन जरूरी नहीं कि जब चाहें मजदूर या अन्य इंतजाम चार दिन के भीतर हो जाए।' समसपुर गांव के राजपाल सिंह बताते हैं कि जब तक मौसम विभाग दीर्घ अवधि के लिए मौसम संबंधी भविष्यवाणी नहीं करेगा तब तक किसान सब कुछ जानने के बाद भी कुछ नहीं कर सकता। राजपाल की इस बात का समर्थन कृषि वैज्ञानिक भी करते हैं। कृषि प्रौद्योगिकी आकलन एवं संवर्द्धन केंद्र के विभागाध्यक्ष डॉ. अंबरीश शर्मा बताते हैं कि दीर्घ अवधि की भविष्यवाणी से किसानों को फायदा हो सकता है। दीर्घ अवधि की सूचनाएं किसान को मिलें, इसके लिए मौसम विभाग को किसानों के बीच अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी। इसके लिए गांव स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम और एसएमएस एलर्ट जैसी सुविधाओं पर विचार करना होगा।

पूसा स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में कृषि भौतिकी संभाग की नोडल आफिसर डॉ अनंता वशिष्ठ बताती हैं कि समस्या किसानों के विश्वास व तकनीक की सीमाएं दोनों स्तर पर है। 'दीर्घ अवधि की भविष्यवाणी या सलाह में सटीकता कम होगी, लेकिन समय जैसे-जैसे कम होगा सटीकता बढ़ती जाएगी। हालांकि अब दीर्घ अवधि के पूर्वानुमान भी काफी हद तक सही साबित हो रहे हैं।'

सुनीता गुप्ता
17/4/14
प्रभारी समाचार पत्र अनुभाग

अधोहस्ताक्षरी
17/4/14

प्रतिलिपि:
1. निदेशक कार्यालय
2. संयुक्त निदेशक (प्रसार)
3. अधिष्ठाता / संयुक्त निदेशक (शिक्षा)

17/4/14